सारागढी की लडाई

❖ हालिया संदर्भ :

- 12 सितंबर को सारगढी की लडाई की 127 वीं वर्षगांठ है, जिसे वैश्विक सैन्य इतिहास में सबसे बेहतरीन लडाईयों में से एक माना जाता है।
- यह लडाई वर्ष 1897 में लडी गई थी।

❖ सारागढी :

- उत्तर-पश्चिमी सीमांत क्षेत्र (NWFP) में स्थित यह किला अब पाकिस्तान में है।
- यह किला वास्तव में एक संचार टावर था, जो फोर्ट लॉकहार्ट एवं फोर्ट गुलिस्तान के बीच स्थित था, जिसे महाराजा रणजीत सिंह द्वारा बनवाया गया था। हालांकि अंग्रेजों ने इसका नामकरण किया गया था।
- इस किले पर सामान्यतः 40 सैनिकों की एक टुकडी होती थी, जिसका प्रमुख कार्य दो प्रमुख किलों के बीच संचार व्यवस्था को बेहतर करना था।
- यह किला उपरोक्त दोनों किले की सुरक्षा के लिये अति महत्वपूर्ण थे, जहाँ बडी संख्या में ब्रिटिश सैन्य एवं अधिकारी रहते थे।
- लॉकहार्ट जहाँ हिन्दूकुश की समाना रेंज पर स्थित था, वहीं गुलिस्तान सुलेमान रेंज पर स्थित किला था।
- ये किले खैबर-पख्तूनख्वा क्षेत्र एवं अफगान लडाकों से ब्रिटिश भारत को सुरक्षित रखने के लिये अहम थे।

❖ ऐतिहासिक दिन :

- ऐतिहासिक लडाई के दिन इस किले पर 36वीं सिक्ख रेजीमेंट (वर्तमान में 4 सिख रेजीमेंट) 21 सैनिक एवं 1 सामान्य कार्य करने वाला सैनिक मौजूद थे।
- ये सभी दैनिक ईशर सिंह के नेतृत्व में अंतिम सांस तक लडे एवं लडाई में सभी सिक्ख योद्धा मारे गए।
- लगभग 10000 अफगानों एवं ओराक्जई समुदाय के लडाकों ने किले को घेरकर इस पर हमला कर दिया।
- एक सैनिक ने 'मोर्स कोड' के जरिए लॉकहार्ट पर कर्नल जॉन हॉटल को अफगान आक्रमण की सूचना दी एवं सैन्य सहायता की मांग की।
- कर्नल ने तत्काल सहायता भेजने में असमर्थता जताई एवं रेजीमेंट को पीछे हट जाने को कहा।
- सैन्य नेतृत्व प्रदान कर रहे हवलदार ईशर सिंह ने अंतिम सांस तक लडने का निर्णय लिया गया एवं भीषण लडाई में लगभग 200 अफगानी मारे गए एवं 600 घायल हुए।
- किले पर अफगानों का नियंत्रण स्थापित तो हो गया लेकिन 2 दिन बार ही अंग्रेजों ने इसे वापस अपने नियंत्रण में ले लिया।

❖ सम्मान :

- तत्कालीन ब्रिटिश साम्राज्य में मरणोपरांत वीरता पदक देने की परंपरा नहीं थी, लेकिन महारानी विक्टोरिया ने सभी 21 सैनिकों को "इंडियन ऑर्डर ऑफ मेरिट" (विक्टोरिया क्रॉस के समकक्ष) में सम्मानित किया।
- इसके अलावा सभी सैनिकों के परिवारजनों को 50 एकड जमीन एवं 500 रूपये (प्रत्येक को) प्रदान किये गये।
- वर्तमान में भी पाकिस्तानी सेना की खैबर स्काउट्स फोर्ट लॉकहार्ट पर सारागढी स्मारक पर सलामी देती है।
- अंग्रेजों ने स्मारक बनाने के लिये सारागढी किले के ध्वस्त हुए भाग से प्राप्त किये गए इंर्टों को प्रयोग किया एवं सैनिकों के सम्मान में अमृतसर एवं फिरोजपुर में गुरूद्वारे भी बनवाए।
- 2017 में पंजाब सरकार ने 12 सितंबर को सारागढी दिवस मनाने की घोषणा की।
- अक्षय कुमार द्वारा अभिनीत 'केसरी' इस लडाई पर आधारित फिल्म है।

❖ मोर्स कोड :

- संदेश भेजने की होलियोग्राफिक तकनीक
- USA के सैमुअल मोर्स द्वारा 1840 के दशक में वैद्युत टेलीग्राफ के जरिए संदेश भेजने की व्यवस्था,
- तकनीक में एक-एक लघु एवं दीर्घ संकेत का प्रयोग,
- इस तकनीक में अक्षरों, अंकों एवं विराम चिन्हों को Dots, Dash एवं Space के रूप में दर्शाकर मैसेज प्रेषित किया जाता था।

Result Mitra TM

❖ प्रतिराह अभियान :

- सारागढी की लडाई तिराह अभियान का ही एक भाग था।
- यह अभियान NWFP क्षेत्र में अफगान पठानों, आफरीदी एवं ओरक्जई जनजातियों के खिलाफ सितंबर 1897 से अप्रैल 1898 के बीच चलाया गया सैन्य अभियान था, जिसे दूसरे अफगान युद्ध के बाद सबसे कठिन अभियानों में से माना जाता है।

TM
Result Mitra